

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

तय्यार व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म को तामील
में जारी हुए

पञ्चवली प्रेम डुई अर्थात् उमर उमर ब्रह्म सुनी

8/1/22

गई प्रार्थी के अर्थात् से डीरने ब्रह्म अर्क डिया
कि विवाहित आराधी पर स्वयंज पारी नहीं किया
जाना जो प्रार्थी की अयच्छित करी होगी प्रार्थी
गण के अर्थात् अर्क डिया कि प्रार्थी की जोई करी
नहीं होगी अतः प्राप्ता पत्र 212 अर्थात् परभाषा
पारि ।

अतः द्वारा उमरपडा के अर्थात् के अर्को पर
गणन किया जाना जसा पत्राण का अयच्छित किया
जाना विवाहित आराधी पर अस्वादि निषिधना
पारी किया जाना अयच्छित है ।

अतः आदेश है कि उमरपडा के विद्वद्
अस्वादि निषिधना से अर्किसाला डवा इस अर्थ
से बाबंद किया जाता है कि विवाहित आराधी
असरा नं 2104/107 रकम । अथवा अर्को अर्थ बाह-
भाषी की अर्को की अयच्छित स्थिति बनाये ह्ये
अकरोन अर्किसाला अुगार डीकर अयच्छित से कत किया
जाकर अर्को अर्थ के साथ अर्किसाला किया जाके
निर्णय किया जाकर सुनाया गया ।

सहायक कलक्टर
उमर (मरतपुर)